

SSC FOUNDATION



सम्यान 1.0 बैच



CONSTITUTION

CITIZENSHIP (नागरिकता)

समय से तैयारी, समय से सफलता

DAILY LIVE: 12 PM

BY-PAWAN SIR



WELCOME TO



Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Powered by Prince Edutech Private Limited

Disclaimer

This presentation, lecture, and all related study materials have been created and published by **airGurukul Institute for Career Growth**, a unit of ***Prince Edutech Private Limited***, for **educational and informational purposes only**. While every effort has been made to ensure the accuracy and reliability of the content, **airGurukul** does not guarantee that the information is absolutely current or free from error. Examination patterns, syllabus, and official notifications are subject to change by respective authorities, and students are strongly advised to **verify details from official sources before making any decisions**.

All third-party materials including logos, questions, references, or data used within this content are **solely for educational illustration and fair-use academic discussion**. Their ownership and copyrights remain with their respective owners. **airGurukul** shall not be held liable for any loss, damage, or consequence arising directly or indirectly from the use of this information.

By attending this session, viewing this content, or using the provided materials, the viewer acknowledges and agrees to this disclaimer. **Unauthorized recording, copying, or redistribution of this content in any form is strictly prohibited**.

नागरिकता / CITIZENSHIP

नागरिकता किसी व्यक्ति और राज्य के बीच एक कानूनी संबंध है, जिसमें व्यक्ति को विशेष कानूनी अधिकार और कर्तव्य प्राप्त होते हैं, जैसे कि मतदान, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के अधिकार। यह केवल कानूनी मान्यता ही नहीं, बल्कि किसी देश के समुदाय से सामाजिक-राजनीतिक जुड़ाव भी है। एक नागरिक के रूप में व्यक्ति को राज्य के प्रति निष्ठा और सम्मान का पालन करना होता है, जबकि राज्य नागरिक को सुरक्षा और अधिकारों की गारंटी देता है।

Citizenship is a legal relationship between an individual and the state, in which the individual is granted specific legal rights and duties such as the right to vote, education, and social security. It is not merely a legal recognition but also a socio-political connection with the community of a country. As a citizen, a person is expected to maintain loyalty and respect towards the state, while the state, in return, guarantees protection and rights to the citizen.

Part II - Citizenship / नागरिकता

Articles 5 to 11 // अनुच्छेद 5 से 11

भारत में एकल नागरिकता की अवधारणा ब्रिटिश संविधान (यूनाइटेड किंगडम) से ली गई है।

The concept of single citizenship in India has been adopted from the British Constitution (United Kingdom).

एकल नागरिकता के कारण भारत के प्रत्येक नागरिक को केवल "भारतीय" के रूप में पहचाना जाता है, न कि किसी राज्य या विदेशी प्रदेश के नागरिक के रूप में।

The granting of Indian citizenship is primarily carried out through the Ministry of Home Affairs, which is authorized under the Citizenship Act, 1955 to confer citizenship on various grounds.

भारतीय नागरिकता का प्रदान किया जाना मुख्य रूप से केन्द्रीय गृह मंत्रालय के माध्यम से होता है, जो नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत नागरिकों को विभिन्न आधारों पर नागरिकता प्रदान करने के लिए अधिकृत है।

जब संविधान लागू हुआ (26 जनवरी 1950), तब नागरिकता निम्न आधारों पर तय की गई –

जन्म (By Birth):

जो व्यक्ति भारत में जन्मा हो और 26 जनवरी 1950 को भारत में रह रहा हो।

Whoever was born in India and was residing here on 26 Jan 1950.

वंश (By Descent / Parentage):

जिसके माता-पिता में से कोई भारत का नागरिक हो।

Either of the parents was an Indian citizen.

निवास (By Domicile / Residence):

जो व्यक्ति भारत में सामान्य रूप से रह रहा हो।

Anyone who had his domicile (permanent residence) in India.

Article- 5**Citizenship at the commencement of the Constitution**

संविधान के प्रारंभ में नागरिकता

एकल
नागरिकता
UKइस संविधान के प्रारंभ पर, प्रत्येक व्यक्ति जिसका अधिवास भारत के राज्यक्षेत्र में है और –

At the commencement of this Constitution, every person who has his domicile in the territory of India and

(a) who was born in the territory of India;

(b) (क) जो भारत के राज्यक्षेत्र में पैदा हुआ हो; or या
प्रत्येक व्यक्ति जो या जिसके माता-पिता में से कोई या जिसके सके दादा-दादी में से कोई इस संविधान में परिभाषित
भारत के राज्यक्षेत्र में पैदा हुआ था और जिसने 1 अप्रैल, 1947 के पश्चात् किसी विदेशी राज्य में अपना स्थायी निवास
नहीं बनाया है; और

Every person who or either of whose parents or any of whose grandparents was born in the territory of
India as defined in this Constitution and who has not made his permanent abode in any foreign State after
the first day of April, 1947; and

(b) either of whose parents was born in the territory of India;

(ख) जिसके माता-पिता में से कोई भारत के राज्यक्षेत्र में पैदा हुआ हो; or या प्रत्येक व्यक्ति जो या जिसके माता-पिता में से कोई या उसके दादा-दादी में से कोई भारत में, जैसा कि भारत सरकार अधिनियम, 1935 (मूल रूप से अधिनियमित) में परिभाषित है, या बर्मा, सीलोन या मलाया में पैदा हुआ था, और जिसका अधिवास इस संविधान में परिभाषित भारत के राज्यक्षेत्र में है, भारत का नागरिक होगा, बशर्ते कि उसने इस संविधान के प्रारंभ की तारीख से पहले किसी विदेशी राज्य की नागरिकता प्राप्त नहीं की हो।

Every person who or either of whose parents or any of whose grandparents was born in India as defined in the Government of India Act, 1935 (as originally enacted), or in Burma, Ceylon or Malaya, and who has his domicile in the territory of India as defined in this Constitution, shall be a citizen of India, provided that he has not acquired the citizenship of any foreign State before the date of commencement of this Constitution.

(c) who has been ordinarily resident in the territory of India for not less than five years immediately preceding such commencement,

(ग) जो ऐसे प्रारंभ से ठीक पहले कम से कम पांच वर्ष तक भारत के राज्यक्षेत्र में मामूली तौर पर निवासी रहा हो, भारत का नागरिक होगा।

Article 6

Rights of citizenship of certain persons who have migrated to India from Pakistan

पाकिस्तान से भारत आए कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार

अनुच्छेद 5 में किसी बात के होते हुए भी, कोई व्यक्ति जो वर्तमान में पाकिस्तान में सम्मिलित क्षेत्र से भारत के क्षेत्र में प्रव्रजन कर आया है, संविधान के प्रारंभ पर भारत का नागरिक समझा जाएगा यदि –

(क) वह या उसके माता-पिता में से कोई या उसके दादा-दादी में से कोई भारत में पैदा हुआ था जैसा कि भारत सरकार अधिनियम, 1935 (मूल रूप से अधिनियमित) में परिभाषित किया गया है; और

(ख)

(i) उस दशा में, जहां ऐसा व्यक्ति 19 जुलाई, 1948 से पूर्व इस प्रकार प्रवास कर चुका है, वह अपने प्रवास की तारीख से भारत के राज्यक्षेत्र में मामूली तौर पर निवासी रहा है, या

(ii) उस दशा में, जहां ऐसा व्यक्ति 19 जुलाई, 1948 को या उसके पश्चात् इस प्रकार प्रव्रजन कर गया है, उसे भारत डोमिनियन की सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त किसी अधिकारी द्वारा भारत का नागरिक रजिस्ट्रीकृत कर लिया गया है, यदि उसने इस संविधान के प्रारंभ से पूर्व ऐसे अधिकारी को उस सरकार द्वारा विहित प्ररूप और रीति से आवेदन किया हो

परन्तु कोई भी व्यक्ति तब तक पंजीकृत नहीं किया जाएगा जब तक कि वह अपने आवेदन की तारीख से ठीक पहले कम से कम 6 महीने तक भारत के राज्यक्षेत्र में निवासी न रहा हो।

Notwithstanding anything in **article 5, a person who has migrated to the territory of India from the territory now included in Pakistan shall be deemed to be a citizen of India at the commencement of this Constitution if-**

- (a) he or either of his parents or any of his grand-parents was born in India as defined in the Government of India Act, 1935 (as originally enacted); and**
- (b)**
 - (i) in the case where such person has so migrated before the 19 of July, 1948, he has been ordinarily resident in the territory of India since the date of his migration, or**
 - (ii) in the case where such person has so migrated on or after the 19 of July, 1948, he has been registered as a citizen of India by an officer appointed in that behalf by the Government of the Dominion of India on an application made by him therefor to such officer before the commencement of this Constitution in the form and manner prescribed by that Government:**
Provided that no person shall be so registered unless he has been resident in the territory of India for at least six months immediately preceding the date of his application.

Article 7

Rights of citizenship of certain migrants to Pakistan

पाकिस्तान में कुछ प्रवासियों के नागरिकता के अधिकार

अनुच्छेद 5 और 6 में किसी बात के होते हुए भी, कोई व्यक्ति जो 1 मार्च, 1947 के पश्चात भारत के राज्यक्षेत्र से उस राज्यक्षेत्र में प्रव्रजन कर गया है जो अब पाकिस्तान में सम्मिलित है, भारत का नागरिक नहीं समझा जाएगा:

परन्तु इस अनुच्छेद की कोई बात ऐसे व्यक्ति पर लागू नहीं होगी जो अब पाकिस्तान में सम्मिलित राज्यक्षेत्र में इस प्रकार प्रव्रजन करने के पश्चात् किसी विधि द्वारा या उसके प्राधिकार के अधीन जारी किए गए पुनर्वास या स्थायी वापसी के परमिट के अधीन भारत के राज्यक्षेत्र में वापस आ गया है और ऐसा प्रत्येक व्यक्ति अनुच्छेद 6 के खंड (ख) के प्रयोजनों के लिए 19 जुलाई, 1948 के पश्चात् भारत के राज्यक्षेत्र में प्रव्रजन किया हुआ समझा जाएगा।

Notwithstanding anything in **articles 5 and 6**, a person who has after the **1st of March, 1947**, migrated from the territory of India to the territory now included in Pakistan shall not be deemed to be a citizen of India:

Provided that nothing in this article shall apply to a person who, after having so migrated to the territory now included in Pakistan, has returned to the territory of India under a permit for resettlement or permanent return issued by or under the authority of any law and every such person shall for the purposes of clause (b) of article 6 be deemed to have migrated to the territory of India after the **19 of July, 1948**.

Article 8

Rights of citizenship of certain persons of Indian origin residing outside India.

भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार

अनुच्छेद 5 में किसी बात के होते हुए भी, कोई व्यक्ति जो या जिसके माता-पिता में से कोई या जिसके दादा-दादी में से कोई **भारत सरकार अधिनियम, 1935** (मूल रूप में अधिनियमित) में परिभाषित भारत में पैदा हुआ था, और जो इस प्रकार परिभाषित भारत के बाहर किसी देश में मामूली तौर पर निवास कर रहा है, भारत का नागरिक समझा जाएगा यदि उसे उस देश में भारत के राजनयिक या कौंसलीय प्रतिनिधि द्वारा भारत का नागरिक रजिस्टर किया गया है जहां वह तत्समय निवास कर रहा है, उसके द्वारा ऐसे राजनयिक या कौंसलीय प्रतिनिधि को इस संविधान के प्रारंभ से पूर्व या पश्चात् भारत डोमिनियन की सरकार या भारत सरकार द्वारा विहित प्ररूप और रीति से किए गए आवेदन पर।

भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के व्यक्ति /

Rights of citizenship of certain persons of Indian origin residing outside India Origin residing

जो लोग विदेशों में रहते हैं (Indian Origin), लेकिन उनके माता-पिता या दादा भारत के निवासी रहे हैं, वे भारतीय दूतावास में रजिस्टर कराकर नागरिक बन सकते हैं।

Notwithstanding anything in article 5, any person who or either of whose parents or any of whose grand-parents was born in India as defined in the Government of India Act, 1935 (as originally enacted), and who is ordinarily residing in any country outside India as so defined shall be deemed to be a citizen of India if he has been registered as a citizen of India by the diplomatic or consular representative of India in the country where he is for the time being residing on an application made by him therefor to such diplomatic or consular representative, whether before or after the commencement of this Constitution, in the form and manner prescribed by the Government of the Dominion of India or the Government of India.

Article 9

Persons voluntarily acquiring citizenship of a foreign State not to be citizens
किसी विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छा से प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को नागरिक नहीं माना जाएगा

कोई भी व्यक्ति अनुच्छेद 5 के आधार पर भारत का नागरिक नहीं होगा, या अनुच्छेद 6 या अनुच्छेद 8 के आधार पर भारत का नागरिक नहीं समझा जाएगा, यदि उसने स्वेच्छा से किसी विदेशी राज्य की नागरिकता प्राप्त कर ली है।

No person shall be a citizen of India by virtue of article 5, or be deemed to be a citizen of India by virtue of article 6 or article 8, if he has voluntarily acquired the citizenship of any foreign State.

Article 10

Continuance of the rights of citizenship
नागरिकता के अधिकारों की निरंतरता

प्रत्येक व्यक्ति जो इस भाग के पूर्वगामी उपबंधों में से किसी के अधीन भारत का नागरिक है या समझा जाता है, संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, ऐसा नागरिक बना रहेगा।

Every person who is or is deemed to be a citizen of India under any of the foregoing provisions of this Part shall, subject to the provisions of any law that may be made by Parliament, continue to be such citizen.

Article 11

Parliament to regulate the right of citizenship by law
संसद कानून द्वारा नागरिकता के अधिकार को विनियमित करेगी

इस भाग के पूर्वगामी उपबंधों की कोई बात नागरिकता के अर्जन और समाप्ति तथा नागरिकता से संबंधित अन्य सभी विषयों के संबंध में कोई उपबंध करने की संसद की शक्ति का हनन नहीं करेगी।

Nothing in the foregoing provisions of this Part shall derogate from the power of Parliament to make any provision with respect to the acquisition and termination of citizenship and all other matters relating to citizenship.

संसद को नागरिकता के सभी मामलों पर कानून बनाने का अधिकार है।
इसी के तहत **Citizenship Act, 1955** बनाया गया।

नागरिकता अधि०-1955

CITIZENSHIP ACT 1955

The Citizenship Act, 1955 was enacted by the Parliament of India to provide the legal framework for the acquisition and determination of Indian citizenship after the commencement of the Constitution (26 January 1950).

नागरिकता अधिनियम, 1955 को भारतीय संसद ने पारित किया ताकि संविधान लागू होने (26 जनवरी 1950) के बाद भारत की नागरिकता प्राप्त करने और निर्धारण के लिए कानूनी ढाँचा उपलब्ध कराया जा सके।

Citizenship Act, 1955 (नागरिकता अधिनियम, 1955)

इस अधिनियम में नागरिकता प्राप्त करने और समाप्त करने के नियम बताए गए हैं।

नागरिकता प्राप्त करने के तरीके (Modes of acquiring Citizenship):

- 1. By Birth (जन्म से)
- 2. By Descent (वंश से)
- 3. By Registration (पंजीकरण से)
- 4. By Naturalization (स्वाभाविकरण से)
- 5. By Incorporation of Territory (क्षेत्र के भारत में मिलने से)

नागरिकता खोने के तरीके (Loss of Citizenship):

Renunciation (त्याग) – स्वयं नागरिकता छोड़ना।

Termination (समाप्ति) – किसी विदेशी देश की नागरिकता लेने पर।

Deprivation (वंचन) – अगर सरकार समझे कि धोखाधड़ी से नागरिकता मिली है।

THANK YOU



Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth
www.airgurukul.com

Follow Us |       

Powered by **Prince Edutech Private Limited**